संजीवनी पब्लिक स्कूल, कक्षा : दसवीं

विषय : हिन्दी परीक्षा

पाठ्यक्रम :- क्षितिज - पाठ - 1, 10 कुल अंक - 20

व्याकरण - पाठ - 1

खण्ड 'क' व्याकरण

प्रश्न: निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :- (5)

1. भोजन करते - करते बातें करना अच्छी बात नहीं है। (रचना के आधार पर वाक्य भेद बता)
2. परिश्रम करने वाले विद्यार्थी असफल नहीं होते। (मिश्र वाक्य में बदलो)
3. वर्षा आने पर मोर नाचने लगे। (संयुक्त वाक्य बनाओ)
4. नीतू ने कविता लिखी और पुरस्कार प्राप्त किया। (सरल वाक्य बना)
5. तुम ज्यों ही घर से निकले वह सो गया। (वाक्य भेद बताओ)

खण्ड 'ख' क्षितिज 'काव्य खण्ड'

प्रश्न :- निम्न पद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (2×4 = 8)

ऊधौ तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति नदी में पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी॥

प्रश्न :-

1. गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' क्यों कहती हैं? इस शब्द में निहित व्यंग्य स्पष्ट करें।
2. गोपियाँ किन-किन उदाहरणों से उद्धव को उलाहने दे रही हैं?
3. गोपियाँ स्वयं को कैसा बताती हैं? और क्यों?
4. 'प्रीति नदी' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है? और क्यों?

'गद्य खण्ड'

प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (1+2+2+2 = 7)

1. मूर्ति की 'कसर' से क्या तात्पर्य है?
2. नेता जी की मूर्ति बनाने वाले व्यक्ति का नाम क्या था तथा उसने मूर्ति किस परिस्थिति में तैयार की थी?
3. आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्ति को देश-प्रेमी कहा जा सकता है? 'नेता जी का चश्मा' पाठ के आधार पर चित्रण कीजिए।
4. हालदार ने कैप्टन की कैसी छवि अपने मन में बनाई थी और कैप्टन उसके विपरीत कैसा निकला?

Scanned with CamScanner